SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार, 16 अप्रैल 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 197

महत्वपूर्ण एवं खास

चारधाम यात्रा के लिए सोमवार से बनेंगे वाहनों के ग्रीन कार्ड

देहरादून (आरएनएस)। चारधाम यात्रा पर जाने वाले कमर्शियल वाहनों के ग्रीन कार्ड 18 अप्रैल से बनेंगे। परिवहन विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी हैं। ग्रीन कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यहां होम पेज खुलने पर 'ग्रीन कार्ड/वाहन पंजीकरण के लिए आवेदन करें वाले ऑप्शन पर क्लिक करना होगा। इसके बाद वाहन नंबर और चेसिस नंबर दर्ज करके बाकी डिटेल भरनी होगी। ऑनलाइन आवेदन करने के बाद वाहन को आरटीओ या एआरटीओ दफ्तर लाना होगा,भौतिक निरीक्षण के बाद ग्रीन कार्ड जारी होगा। आरटीओ दिनेश पठोई ने बताया कि ग्रीन कार्ड बनाने की तैयारी चल रही है।

ऑटोरिक्शा के पलटने से दस लोग हुए घायल

संबलपुर (आरएनएस)। ओडिशा के देवगढ़ जिले के गेलो घाट पर एक ऑटो रिक्शा के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम दस लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना उसी स्थान पर हुई है जहां 17 अप्रैल 2016 को एक बस के फिसलकर 300 फुट गहरी खाई में गिर जाने से 27 ओपेरा कलाकारों की मौत हो गई थी और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस ने आज यहां बताया कि दुर्घटना में घायल सभी लोगों अस्पताल में भेज दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि ऑटो रिक्शा में सवाल लोग कलियाखमार गांव में मां तारिणी के दर्शन के लिए जा रहे थे। इस दौरान ऑटो-रिक्शा पलटने के कारण यह दुर्घटना हुई।

यमुना में डूबे चार बच्चों में से तीन के शव हुए बरामद

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली पुलिस ने कहा कि यमुना में डूबे चार बच्चों में से दो और बच्चों के शव कालिंदी कुंज के निकट यमुना से बरामद हुए हैं जबकि चौथे बच्चे की तलाश का अभियान जारी हैं। पुलिस को अब तक तीन शव बरामद हुए हैं। जिनकी पहचान फरमान (13), मोहम्मद अली (11) और साहिल (13) के रूप में हुई। जबकि रिहान (13) की तलाश जारी है। उल्लेखनीय है कि बुधवार शाम दिल्ली के कालिंदी कुंज इलाके के पास नदी के किनारे खेलने गए चार नाबालिग लडक़े यमुना नदी में डूब गए थे। तलाशी अभियान के दौरान पुलिस को नदी में कीचड़ में एक शव बरामद हुआ था।

अरुणाचल प्रदेश में महसूस किए गए भूकंप के झटके, 5.3 मापी गई तीव्रता

ईटानगर (आरएनएस)। अरुणाचल प्रदेश में पांगिन क्षेत्र के उत्तर में शुक्रवार को भूकंप के मध्यम झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने यह जानकारी दी। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.3 मापी गयी। केंद्र ने बताया कि सुबह करीब 6.56 बजे आए भूकंप का केन्द्र पांगिन शहर से करीब 1,176 किमी उत्तर में 30 किमी की गहराई में स्थित था। उन्होंने बताया कि भूकंप से किसी के जान-माल के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं है।

लोग समझाते रहे लेकिन अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन की छत से कूद गई लड़की

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन से बीती सुबह छलांग लगाने वाली 20 साल की एक लडक़ी की बीती रात लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। कथित तौर पर सुनने और बोलने में अक्षम लडक़ी प्लेटफॉर्म नंबर 2 से मेट्रो स्टेशन की दीवार पर चढ़ गई थी। सुरक्षा कर्मचारियों और पुलिस ने उसे शांत करने की कोशिश की थी, लेकिन वह अचानक किनारे से कूद गई। लडक़ी को पूरे शरीर पर गंभीर चोटें आईं। उसे लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया। उसका इलाज कर रहे डॉक्टरों ने पुलिस को बताया था कि वह स्टेंट लगाने के लायक नहीं है और उसकी हालत गंभीर है। पुलिस ने पहले कहा था, उसके माता-पिता को सूचित कर दिया गया है। उसके पैर और हाथ में फ्रैक्चर हो गया है। घटना सुबह 7.30 बजे प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर हुई। उसके खुदकुशी जैसा कदम उठाने के पीछे के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है।

प्रधानमंत्री ने मोदी भुज में के.के. पटेल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल राष्ट्र को समर्पित किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के भुज में के.के. पटेल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल राष्ट्र को समर्पित किया। अस्पताल का निर्माण कच्छी लेवा पटेल समाज, भुज द्वारा किया गया है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों में शामिल थे।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सराहना करते हुए कहा कि भूकंप से मची तबाही को पीछे छोडक़र भुज और कच्छ के लोग अब अपने परिश्रम से इस क्षेत्र का नया भाग्य लिख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, आज इस क्षेत्र में अनेक आधुनिक मेडिकल सेवाएं मौजूद हैं। इसी कड़ी में भुज को आज एक आधुनिक, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अस्पताल क्षेत्र का पहला धर्मार्थ सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल है, जो कच्छ के लोगों के साथ-साथ लाखों सैनिकों, सेना के जवानों और व्यापारियों के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार की गारंटी करेगा।

प्रधानमंत्री ने विस्तारपूर्वक बताया कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सिर्फ बीमारी के इलाज तक ही सीमित नहीं होती हैं, ये सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित करती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, जब किसी गरीब को सस्ता और उत्तम इलाज सुलभ होता है, तो उसका व्यवस्था पर भरोसा मज़बूत होता है। इलाज के खर्च की चिंता से गरीब को मुक्ति मिलती है तो वो निश्चिंत होकर गरीबी से बाहर निकलने के लिए परिश्रम करता है। प्रधानमंत्री ने बताया कि बीते सालों में हेल्थ सेक्टर की जितनी भी योजनाएं लागू की गई हैं, उनकी प्रेरणा यही सोच है।

आयुष्मान भारत योजना और जनऔषधि योजना से हर साल गरीब और मिडिल क्लास परिवारों के लाखों करोड़ रुपए इलाज में खर्च होने से बच रहे हैं। स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य सुविधा योजना जैसे अभियान सभी के लिए उपचार को सुलभ बनाने में मदद कर रहे हैं।

आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन मरीजों के लिए सुविधाओं का विस्तार कर रहा है। जिले में आयुष्मान स्वास्थ्य सुविधा मिशन के माध्यम से आधुनिक तथा महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास किया गया है और इसे ब्लॉक स्तर तक ले जाया जा रहा है। हर जिले में अस्पताल बन रहे हैं। इसी तरह देश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज के निर्माण का लक्ष्य हो या फिर मेडिकल एजुकेशन को सबकी पहुंच में रखने के प्रयास, इससे आने वाले 10 सालों में देश को रिकॉर्ड संख्या में नए डॉक्टर मिलने वाले हैं।

गुजराती के बारे में, प्रधानमंत्री ने कहा कि एक ऐसी स्थिति आ गई है कि न तो मैं कच्छ छोड़ सकता हूं और न ही कच्छ मुझे छोड़ सकता है। उन्होंने गुजरात में मूलभूत चिकित्सा सुविधा और शिक्षा के क्षेत्र में हाल के विस्तार के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज नौ एम्स हैं, तीन दर्जन से अधिक मेडिकल कॉलेज हैं, जबकि पहले केवल 9 कॉलेज थे। उन्होंने कहा कि मेडिकल सीटों की संख्या 1100 से बढक़र 6000 हो गई है। राजकोट एम्स में काम शुरू हो गया है और अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में माता और शिशु की स्वास्थ्य सेवा के लिए 1500 बिस्तरों का बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। कार्डियोलॉजी और डायलिसिस की सुविधाएं कई गुना बढ़ गई हैं।

मोदी ने स्वास्थ्य के प्रति रोकथाम के अपने दृष्टिकोण पर को फिर से जोर दिया और स्वच्छता, व्यायाम और योग पर ध्यान देने का अनुरोध किया। उन्होंने अच्छे आहार, स्वच्छ पानी और पोषण के महत्व के बारे में भी बताया। उन्होंने कच्छ क्षेत्र से योग दिवस को बड़े पैमाने पर मनाने का आह्वान किया। उन्होंने पटेल समुदाय से विदेशों में कच्छ त्योहार को बढ़ावा देने और इसके लिए विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए भी कहा। उन्होंने हर जिले में 75 अमृत सरोवर के लिए अपना आह्वान भी दोहराया।

कोयला सचिव ने मंत्रालय के योगोत्सव उलटी गिनती कार्यक्रम का नेतृत्व किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2014 में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) घोषित किया। पूरे विश्व में योग की स्वीकार्यता भारत के लिए गर्व की बात है, क्योंकि योग हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का अभिन्न अंग है। हर साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को सुबह प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सामूहिक योग प्रदर्शन के साथ शुरू होता है। इसके बाद योग से संबंधित अन्य गतिविधियां होती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 में अब केवल 67 दिन शेष हैं। कोयला मंत्रालय ने आज शास्त्री भवन में योगोत्सव उलटी गिनती कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन कोयला मंत्रालय के सचिव डॉ. अनिल कुमार जैन ने किया। उलटी गिनती समारोह में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों तथा अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया। शास्त्री भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के विशेषज्ञों-योग चिकित्सक सत्येंद्र कुमार सिंह, सुनीतू शर्मा तथा सुहरप्रीत कौर के निर्देश में सौ से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया।

कार्यालय के लिए प्रभावी वाई-ब्रेक प्रोटोकॉल का भी विस्तार से प्रदर्शन किया गया। सभी सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों जो वर्चुअल रूप में जुड़े हुए थे, ने भी योग विशेषज्ञों के साथ काफी उपयोगी बातचीत की और सबने यह महसूस किया कि योग बहुत उपयोगी है और नियमित रूप से योगाभ्यास करने की आवश्यकता है।

ढाका के रास्ते अगरतला-कोलकाता के बीच बस सेवा हुई बहाल

अगरतला (आरएनएस)। कोरोना संक्रमण के कारण दो साल तक स्थगित रही ढाका के रास्ते अगरतला-कोलकाता के बीच बस सेवा अगले सप्ताह से बहाल होगी। अगरतला में बंगलादेश के सहायक उच्चायोग ने इस माह से यात्रियों के लिए वीजा जारी करना शुरु कर दिया है। साल 2020 में अप्रैल के अंतिम सप्ताह में कोरोना के मामलों में वृद्धि को देखते हुए सीमा पर लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई थी। फिलहाल दोनों ही देशों ने आखाउड़ा और बेनापोल में से होकर बंगलादेश में यात्रियों की आवाजाही पर लगे सभी प्रतिबंधों को वापस ले लिया है।

त्रिपुरा सरकार के अधिकारियों ने कहा कि त्रिपुरा सडक़ परिवहन निगम (टीआरटीसी) ने अगले 20 अप्रैल से दोनों देशों के बीच मैत्री बस चलाने का भी फैसला किया है। बंगलादेश सरकार ने हालांकि इस संबंध में कोई घोषणा नहीं की है। दोनों देशों के समझौते के अनुसार, टीआरटीसी अगरतला से ढाका के रास्ते कोलकाता के लिए एक बस चलाता है और बंगलादेश रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन कोलकाता के सॉल्ट लेक इलाके से ढाका के रास्ते अगरतला के लिए एक बस चलाता है।

अगरतला और कोलकाता के बीच सफर के लिए ट्रेन और विमान सेवाएं दोनों किफायती दरों पर उपलब्ध हैं, लेकिन बावजूद इसके बस से कम दूरी (करीब 500 किलोमीटर) होने की वजह से लोग इससे सफर करना ही अधिक पसंद करते हैं। इसे पहली बार वर्ष 1999 में शुरू किया गया था।

कोरोना के मामलों में गिरावट को देखते हुए पर्यटन को फिर से बढ़ावा दिया जा रहा है। इसे देखते हुए बंगलादेश के टूर ऑपरेटरों ने ढाका के रास्ते अगरतला और चटगांव तथा अगरतला से कॉक्स बाजार के बीच एक सीधी बस सेवा शुरु करने का प्रस्ताव रखा है, जिसे यहां रविवार से आयोजित होने वाले भारत-बंगलादेश पर्यटन उत्सव के दौरान औपचारिक रूप दिया जाना है।

उपराष्ट्रपति ने राम नगरी अयोध्या का दौरा किया और इसे लंबे समय से अभिलषित स्वप्न की सिद्धि बताया

नई दिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडु अपनी पत्नी श्रीमती उषा नायडु के साथ आज ऐतिहासिक नगरी अयोध्या के दौरे पर थे, जहां उन्होंने राम-जन्मभूमि स्थल और प्रसिद्ध हनुमान गढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडु और उनकी पत्नी श्रीमती उषा नायडु आज अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर स्थल पर। उनके साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी थे।

नायडु, एक विशेष ट्रेन से सुबह अयोध्या पहुंचे। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अयोध्या रेलवे स्टेशन पर उनका स्वागत किया। इसके शीघ्र बाद उपराष्ट्रपति और उनकी पत्नी ने राम-जन्मभूमि स्थल का दौरा किया, जहां राम जन्मभूमि-तीर्थ ट्रस्ट के सदस्यों ने शीघ्र बनकर तैयार होने वाले राम मंदिर के 3-डी मॉडल को प्रदर्शित करने वाली एक लघु फिल्म के माध्यम से विस्तृत प्रस्तुति दी। इसके बाद, नायडु ने निर्माणाधीन राम मंदिर के गर्भ गृह स्थल पर पूजा-अर्चना की। उन्होंने राम लला की पूजा-अर्चना भी की। राम जन्मभूमि की दर्शक पुस्तिका में उन्होंने लिखा-

''आज राम जन्मभूमि का दर्शन करके धन्य हो गया। भगवान राम हमारी संस्कृति, हमारे मूल्यों और हमारे गौरवशाली इतिहास के प्रतीक हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन से भारत के लोगों को हमेशा प्रेरणा मिली है और उनको सच्चा मार्गदर्शन मिला है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का पुनर्निर्माण भारत में आध्यात्मिक पुनर्जागरण का क्षण है। मुझे विश्वास है कि यह मंदिर आने वाली पीढिय़ों को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने और उन्हें सच्चाई, न्याय तथा भाईचारे का मार्ग दिखाने के लिए प्रेरित करता रहेगा।''

बाद में नायडु और उनकी पत्नी ने नगर के प्रसिद्ध हनुमान गढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। ऐसा माना जाता है कि राम के लंका से लौटने के बाद भगवान हनुमान ने इसी स्थान से अयोध्या शहर की रक्षा की थी।

उपराष्ट्रपति और उनकी पत्नी बाद में अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ पवित्र सरयू नदी तट पर गए और प्राचीन नदी की पूजा की, जो भगवान राम के जीवन से अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है।

आज शाम को नायडु और उनकी पत्नी वाराणसी में गंगा आरती में भी शामिल होंगे।

दक्षिण अफ्रीका में बाढ़ ने मचाई तबाही, मरने वालों की संख्या 340 के पार

जोहान्सबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के डरबन शहर और पूर्वी क्वाजुलु-नताल प्रांत में भारी बारिश और बाढ़ की चपेट में आकर मरने वालों की संख्या बढक़र 341 तक पहुंच गई है।

बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए अधिकारियों ने इसे आपदा क्षेत्र घोषित किया, जहां सैकड़ों मौतें हो चुकी हैं। मीडिया ने पहले 306 मौतें होने की सूचना दी थी, जो अब बढक़र 341 तक पहुंच गया है।

दक्षिण अफ्रीका में क्वाज़ुलु-नताल प्रांत के प्रमुख सिहले जिकलाला ने इस प्राकृतिक आपदा में 40,000 लोगों से अधिक के प्रभावित होने की घोषणा की।

क्वाज़ुलु-नताल में सोमवार रात से भारी बारिश जारी है और इससे आई बाढ़ की वजह से यहां की सडक़ें और बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गई हैं। ईथेक्विनी की नगर पालिका और डरबन शहर को कथित तौर पर सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है।

इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश सामान्य रहेगी : आईएमडी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कृषि प्रधान भारत के बड़े हिस्से के लिए क्या खुशी ला सकता है। इस साल पूरे देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश सामान्य रहने की संभावना है। मात्रात्मक रुप से, मानसून ऋतु (जून से सितम्बर) वर्षा प्लस/माइनस 5 प्रतिशत मॉडल त्रुटि के साथ दीर्घावधि औसत (एनपीए) का 99 प्रतिशत होने की संभावना है। आईएमडी ने यह जानकारी दी। 1971-2020 की अवधि के लिए पूरे देश में जून से सितंबर की अवधि के लिए एलपीए वर्षा 87 सेमी है। यह 87 सेमी इस वर्ष की नई सामान्य अखिल भारतीय वर्षा है, जिसे आईएमडी ने 1961-2010 के आंकड़ों के आधार पर पहले के 88 सेमी की जगह लेगा।

आईएमडी के महानिदेशक, मौसम विज्ञान, मृत्युंजय महापात्र ने मीडियाकर्मियोंको बताया, प्रायद्वीपीय भारत के उत्तरी भाग, मध्य भारत, हिमालय की तलहटी और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य या सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।

आईएमडी मानसून के मौसम के लिए पूवार्नुमान जारी करेगा। मुख्य रूप से मध्य भारतीय भाग, जो गुजरात और राजस्थान से ओडिशा तक फैला हुआ है, जो काफी हद तक वर्षा आधारित क्षेत्र (कृषि के लिए) है और इसलिए पिछले साल से, आईएमडी के विशिष्ट एमसीजेड पूवार्नुमान को किसानों के लिए अधिक प्रासंगिक बनाते हैं।

महापात्र ने कहा, उपरोक्त कमी अखिल भारतीय वर्षा के सूखे और गीले कालावधि की प्राकृतिक बहु दशकीय कालावधि के परिवर्तनशीलता का हिस्सा है। वर्तमान में दक्षिण-पश्चिम मानसून शुष्क काल से गुजर रहा है, जो 1971-80 के दशक से शुरू हुआ था। वर्ष 2011-20 के दशक के लिए अखिल भारतीय दक्षिण पश्चिम मानसून वर्षा का दशकीय औसत दीर्घकालिक माध्य से 3.83 फीसदी कम है। अगले दशक यानी 2021-30 के तटस्थ के करीब आने की उम्मीद है और दक्षिण-पश्चिम मानसून 2031-40 के दशक से आदर युग में प्रवेश करेगा।

ला नीना की स्थिति भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में बनी हुई है और मानसून के मौसम के दौरान जारी रहने की संभावना है। ला नीना मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर के ऊपर ठंडा होने से जुड़ा है। एक अल नीनो (ला नीना के विपरीत) आमतौर पर भारत में कम (अधिशेष) मानसून वर्षा से जुड़ा होता है। हालांकि, अल नीनो और भारतीय मानसून के बीच कोई एक से एक संबंध नहीं है।

इस बीच, आईएमडी गतिविधियों की बेहतर क्षेत्रीय स्तर की योजना के लिए क्षेत्रीय औसत वर्षा पूर्वानुमानों के साथ-साथ मौसमी वर्षा के स्थानिक वितरण के पूर्वानुमान के लिए विभिन्न उपयोगकर्ताओं और सरकारी अधिकारियों की मांगों को पूरा करता है। इसके लिए 2021 से आईएमडी के अपने मॉनसून मिशन क्लाइमेट फोरकास्ट सिस्टम (एमएमसीएफएस) सहित विभिन्न वैश्विक जलवायु भविष्यवाणी और अनुसंधान केंद्रों से युग्मित वैश्विक जलवायु मॉडल (सीजीसीएम) पर आधारित एक मल्टी-मॉडल एनसेंबल (एमएमई) पूर्वानुमान प्रणाली का उपयोग किया जाता है।

एमएमई एक सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत तकनीक है, जिसका उपयोग एकल मॉडल-आधारित ²ष्टिकोण की तुलना में पूर्वानुमानों के कौशल में सुधार और पूर्वानुमान त्रुटियों को कम करने के लिए किया जाता है। एमएमई पूर्वानुमान प्रणाली में उपयोग किए जाने वाले सभी मॉडलों की सामूहिक जानकारी के लिए प्रदर्शन सुधार पूरी तरह से जिम्मेदार हैं।

पृथ्वी विज्ञान सचिव, एम. रविचंद्रन ने कहा, परंपरागत रूप से, आईएमडी पूर्वानुमान के लिए सांख्यिकीय मॉडल का उपयोग करता था, लेकिन 2017 के बाद से, गतिशील पूर्वानुमान प्रणाली ने मानसून पूर्वानुमान और जिला स्तर के पूर्वानुमान और अब-कास्ट जैसे अन्य पूर्वानुमानों के लिए महासागर वातावरण युग्मित मॉडल का उपयोग करना शुरू कर दिया है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए पहले चरण के पूर्वानुमान के बाद, आईएमडी मई के अंतिम सप्ताह में दूसरा चरण, अद्यतन, पूवार्नुमान जारी करेगा, उस तारीख की घोषणा करने की संभावना के साथ जब मानसून उससे पहले केरल तट से टकराएगा।